Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University,Solapur

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय,सोलापुर

Name of the Faculty : Humanities

CBCS Syllabus

Name of the Course : B.A.- II Hindi Semester - III

बी. ए. भाग - दो-तृतीय सत्र

(आंतरविद्या शाखा) (I.D.S.)

Title of the Paper - Pryojanmulak Hindi

प्रश्नपत्र का नाम - प्रयोजनमूलक हिंदी

With effect from - June 2020-21

जून 2020-21 से आरंभ

परिचय /Introduction

किसी भी राष्ट्र या संघ के लिए भाषा का होना अनिवार्य है। भाषा के बिना कोई भी राष्ट्र या संघ अपने उद्देश्यों पर ठीक से खडा नहीं उतर सकता। क्योंकि भाषा ही उन समूहों को एक साथ जोडती है,संगठित करती है। भाषा के बिना कोई राष्ट्र या संघ एकसूत्र में बंध नहीं सकता। किसी राष्ट्र या संघ की अपनी एक भाषा होती है। भारतीय परिप्रेक्ष्य में हिंदी ही एक ऐसी भाषा है जो राष्ट्रीय एकता को शाश्वत और अक्षुण्ण बना सकती है भाषा देश-काल सापेक्ष होती है। भाषा एक सामाजिक सम्प्रेषण है। बाजार में ही भाषा के रूप बनते-बिगडते रहते हैं और कालान्तर में स्थायी हो जाते हैं। आज बाजार ने राष्ट्रीय सीमाएँ तोड दी है। वैश्वीकरण सीधा बाजारवाद से जुडा है। बाजार का सीधा सम्बन्ध भाषा से है। यह निर्विवाद सत्य है कि भाषा के तौर पर हिंदी ने जोडने का काम किया है। हिंदी ने भारत राष्ट्र को एक करने में अपनी अहं भूमिका निभाई है। इसलिए संविधान ने इसे संपर्क भाषा के रूप में स्वीकार किया है।

सूचना प्रस्फोट के इस युग में प्रयोजनमूलक 'भाषा' को अनन्य साधारण महत्त्व प्राप्त हुआ है। आज वही भाषा समृध्द मानी जाती है, जिसका प्रयोजनमूलक रूप समृध्द है। हिंदी का प्रयोजनमूलक रूप समृध्द है इसलिए वह वैश्विक है।

पाठयक्रम के उद्देश्य / Course Objective

1. हिंदी के व्यावहारिक पक्ष से परिचित कराना।
2. हिंदी में कार्य करने की रूचि विकसित कराना।
3. रोजगारोन्मुख शिक्षा प्रदान करना।
4 राष्ट्रभाषा के प्रति रूचि उत्पन्न करना।
5. कार्यालय, विज्ञापन और अनुवाद में हिंदी का कौशल्य विकसित करना।

CBCS Pattern B.A.ll - I.D.S. Semester-III

(Credit Theory - 4 Practicals - 0)

Total Theory Lecture 60

अध्ययनार्थ विषय **Total No of Lectures- 60**

इकाई I **Credit -1 Lectures 15**

प्रयोनजमूलक हिंदी भाषा : स्वरूप – विवेचन

1. प्रयोजनमूलक हिंदी - अर्थ,परिभाषा

2. प्रयोजनमूलक हिंदी - प्रयोजन, नामकरण, स्वरूपगत विशेषताएँ, विविध रूप

बैंक और हिंदी, वैज्ञानिक और तकनीकी हिंदी, प्रशासनिक/कार्यालयीन हिंदी, विधिक हिंदी, वाणिज्य और व्यवसायिक हिंदी, जनसंचार माध्यमों की हिंदी

इकाई II **Credit -1 Lectures 15**

कार्यालयीन हिंदी : स्वरूप और क्षेत्र

1. कार्यालयीन हिंदी - अर्थ, परिभाषा, स्वरूपगत विशेषताएँ, प्रयोग क्षेत्र

2. कार्यालयीन पत्राचार - नोकरी के लिए आवेदन पत्र, पदाधिकारी के नाम पत्र, कार्यालय आदेश

इकाई III **Credit -1 Lectures 15**

पत्रकारिता : स्वरूप और विवेचन

1. पत्रकारिता : परिभाषा

2. पत्रकारिता : विभिन्न प्रकार – खोजी पत्रकारिता,आर्थिक पत्रकारिता, खेल पत्रकारिता,महिला पत्रकारिता, फिल्म पत्रकारिता, बाल पत्रकारिता, राजनैतिक पत्रकारिता, ग्रामीण एवं कृषि पत्रकारिता, रेडियो पत्रकारिता, विधि पत्रकारिता, शैक्षिक पत्रकारिता, विज्ञान पत्रकारिता

इकाई IV **Credit -1 Lectures 15**

प्रयोजनमूलक हिंदी प्रयोग क्षेत्र : प्रत्यक्ष भेंट

1. बैंक, रेल कार्यालय, दूरदर्शन,आकाशवाणी, डाक विभाग

2. वृत्तांत (रिपोर्ट) लेखन

    1. सम्मेलन संबंधी रिपोर्ट

    2. समारोह संबंधी रिपोर्ट

    3. संगोष्ठी संबंधी रिपोर्ट

परिशिष्ट

3. पारिभाषिक शब्दावली (अंग्रेजी से हिंदी – 30 शब्द)

1) Agency - अभिकरण
2) Associate member - सह-सदस्य
3) Agent - अभिकर्ता
4) Auditor - लेखापरीक्षक
5) Bond - बंधपत्र - ऋणपत्र
6) Board - मंडल परिषद
7) Broadcast - प्रसारण
8) Cash Book - रोकडबही
9) Circular - परिपत्र
10) Confidentian - गोपनीय
11) Consumer - उपभोक्ता

12) Democracy - लोकतंत्र

13) Demand Draft - मांग ड्राफ्ट

14) Departure - रवानगी / निर्गमन

15) Delay - विलंब

16) Evaluation - मूल्यांकन

17) Enquiry - पूछताछ

18) Election - चुनाव

19) Eligible - पात्र

20) Finance - वित्त

21) Fellowship - शिष्यवृत्ति

22) Fair copy - स्वच्छ प्रति

23) Gazette - राजपत्र /गजट

24) Governor - राज्यपाल

25) Pass-Port - पारपत्र

26) Pay - अदा करें /वेतन

27) Joint Account - संयुक्त खाता

28) Journalist - पत्रकार

29) Ledger - खाता

30) Manager - प्रबंधक

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper	Name of the New Paper
1.	प्रयोजनमूलक हिंदी	प्रयोजनमूलक हिंदी

Nature of Question Paper

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन

प्रश्न 1) बहुविकल्पी आठ प्रश्न (पूरे पाठयक्रम पर) अंक 8

प्रश्न 2) लघुत्तरी प्रश्न (पूरे पाठयक्रम पर) अंक 12

(6 में से 4)

प्रश्न 3) दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठयक्रम पर) अंक 10

(अंतर्गत विकल्प के साथ)

प्रश्न 4) दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठयक्रम पर) अंक 10

कुल अंक 40

Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University,Solapur

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय,सोलापुर

Name of the Faculty : Humanities

CBCS Syllabus

Name of the Course : B.A.- II Hindi Semester - IV

बी.ए. भाग - दो-चतुर्थ सत्र

(आंतरविद्या शाखा) (I.D.S.)

Title of the Paper – Rojgarparak Hindi

प्रश्नपत्र का नाम - रोजगारपरक हिंदी

With effect from - June -2020-21

जून 2020-21 से आरंभ

परिचय/Introduction

व्यावहारिक हिंदी के रूप में हिंदी भाषा का बहुमुखी विकास हो रहा है। हिंदी का बैंक, दूरदर्शन सरकारी कार्यालय, प्रेस, मीडिया, फिल्म, इंटरनेट, विज्ञापन आदि क्षेत्र में बड़े पैमाने पर प्रयोग हो रहा है। बहुराष्ट्रीय कम्पनियों ने भी हिंदी की महत्ता को स्वीकार कर उसके जरिए अपना व्यवहार शुरू किया है। सभी स्थानों पर अब हिंदी का प्रयोग किया जा रहा है। हिंदी ने अनुवाद के माध्यम से एक ओर वैश्विक संदर्भ और ज्ञान–विज्ञान और तकनीकी को स्वयं को उसके अनुकूल बनाना है। हिंदी के इस रूप में रोजगार के कई अवसर प्राप्त करा दिए है। अतः हिंदी के इस रूप को जानना अनिवार्य है।

पाठयक्रम के उद्देश्य / Course Objective

1. अनुवाद का स्वरूप और महत्त्व से अवगत कराना।
2. विज्ञापन की दुनिया और व्यवहार से परिचित कराना।
3. अनुवाद और विज्ञापन के स्वरूप को परिचित कराना।
4. पटकथा लेखन एवं संवाद से अवगत कराना।
5. प्रयोजनमूलक हिंदी के माध्यम से रोजगारपरक कौशल को विकसित कराना।
6. हिंदी के प्रयोग के प्रति रूचि जगाकर संगणक के कार्यो से छात्रों को अवगत कराना।

CBCS Pattern B.A.ll - I.D.S. Semester- IV

(Credit Theory - 4 Practicals - 0)

Total Theory Lecture 60

अध्ययनार्थ विषय **Total No of Lectures - 60**

इकाई l **Credit -1 Lectures 15**

अनुवाद

1.अनुवाद : अर्थ,परिभाषा,प्रकार

2.अनुवादक के गुण

3. अनुवाद के गुण और दोष

इकाई ll **Credit -1 Lectures 15**

विज्ञापन

1. विज्ञापन परिभाषा एवं स्वरूप

2. विज्ञापन के तत्त्व

3. विज्ञापन की विशेषताएँ

इकाई lll **Credit -1 Lectures 15**

पटकथा लेखन एवं संवाद लेखन -

1. पटकथा एवं संवाद (डायलॉग) अर्थ एवं परिभाषा

2. पटकथा एवं संवाद की आवश्यकता

3. पटकथा लेखन के प्रकार

इकाई IV **Credit -1 Lectures 15**

संगणकीय (कम्प्यूटर)

हिंदी एवं पारिभाषिक वाक्यांश का अनुवाद (अग्रेंजी से हिंदी)

1. संगणक परिचय

2. संगणक के अंग

3. संगणकीय कार्य - ई-मेल, डाटा एंट्री, इंटरनेट, फेसबुक, ब्लॉग

परिशिष्ट

पारिभाषिक वाक्यांश - 30 (अंग्रेजी से हिंदी)

01	Acting in good faith	**सदभाव से कार्य करते हुए।**
02	Beg to state	**निवेदन है।**
03	Circulate and then file	**संबंधित व्यक्तियों को दिखाकर फाईल कर दीजिए।**
04	Early orders are solicited	**शीघ्र आदेशों की प्रार्थना है।**
05	For sympathetic	**सहानुभूतिपूर्वक विचार के लिए।**
06	Fix up some date for discussion	**विचार विमर्श के लिए कोई तारीख निश्चित करें/तय करें।**
07	Hard and fast rule	**पक्का नियम।**
08	Has no comments to make	**को कोई टीका नहीं करनी है।**
09	Give him the particulars of the case	**उन्हें मामले का पूरा विवरण दें।**
10	Correspondence resting with your letter	**आपके पत्र के साथ रुका हुआ पत्र व्यवहार।**
11	Explain in your letter	**आपके पत्र में स्पष्ट किया गया।**
12	Figures for the period under review have been furnished	**आलोच्य अवधि के आँकडे भेजे जा चुके हैं।**

13	I agree	मै सहमत हूँ।
14	Inquiry into the case has started	मामले की जाँच शुरु हो गई है।
15	I fully agree to the office note	कार्यालय की टिप्पणी से मैं पूर्णत : सहमत हूँ।
16	On an average	औसतन।
17	Needs no Comments	टिप्पणी की आवश्यकता नही।
18	Paper for Disposal	निपटाने के लिए कागज।
19	To the point	विषयानुकूल/सुसंगत/प्रासंगिक।
20	Request information may please be given before the meeting	बैठक के पहले अपेक्षित सूचना दी जाए।
21	Self contained note	स्वतःपूर्ण टिप्पणी।
22	Will have to sever connection from this office	इस कार्यालय से सम्बन्ध विच्छेद करना होगा।
23	Take for granted	मान लेना / मानकर चलना।
24	Vide letter No.	पत्रसंख्या देखिए।
25	No action	कोई कार्यवाही/किसी कार्यवाही की आवश्यकता नहीं।
26	Take over	ले लेना/कार्यभार संभालना।
27	Lay down	निर्धारित करना।
28	For good and sufficient reasons	उपयुक्त और पर्याप्त कारणों से।
29	May be filed	फाईल कर दिया जाए।
30	As a matter of fact	यथार्थतः/वस्तुतः।

List of Reference Books / संदर्भ ग्रंथ सूची

1. प्रयोजनमूलक हिंदी : अधुनातन आयाम - डॉ. अंबादास देशमुख
   शैलजा प्रकाशन,**57** पी, कुंज विहार-**2**
   यशोदा नगर, कानपुर-**208011**
2. हिंदी के प्रयोजनमूलक भाषा - रूप - डॉ. माधव सोनटक्के
   छाया पब्लिशिंग हाऊस,औरंगाबाद.
3. प्रयोजनमूलक हिंदी:प्रयुक्ति और अनुवाद- डॉ. माधव सोनटक्के
   वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली
4. पटकथा लेखन फीचर फिल्म - उपेश राठौर
   लक्षशिला प्रकाशन, **98-A**,
   हिंदी पार्क, दरियागंज,नई दिल्ली -**110002**
5. कम्प्यूटर क्या, क्यों और कैसे ? - राम बंसल विज्ञानाचार्य
   वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली.
6. कम्प्यूटर क्या है? - गुणाकर मुळे
   राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली- **110002**
7. मुद्रण कला : उद्‌भव एंव विकास - डॉ. कैलाश शर्मा
   नेशनल पब्लिकेशन, श्याम फ्लॅटस,
   फतेहपुरियों का दरवाजा, चौडा रस्ता,जयपुर- **302003**
8. दृश्य-श्रव्य माध्यम लेखन - डॉ. राजेंद्र मिश्र, ईशिता मिश्र
   23/4761, अंसारी रोड- **110002**
   दरियागंज, नई दिल्ली - **110002**
9. अनुवाद विज्ञान की भूमिका - कृष्ण कुमार गोस्वामी
   राजकमल प्रकाशन
   १-बी, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली – **110002**

10. विज्ञापन की दुनिया - कुमुद शर्मा
प्रतिभा प्रतिष्ठान,**1661** दखनी राय स्ट्रीट,
नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली - **110002**

11. विज्ञापन व्यवसाय एवं कला - डॉ. रामचंद्र तिवारी
आलेख प्रकाशन,
B -8,नवीन शहादरा,दिल्ली -**110032**

12. प्रयोजनमूलक हिंदी - विनोद गोदरे

13. नये जनसंचार और हिंदी - डॉ. सुधीर पचौरी, अचला शर्मा

14. मीडिया और हिंदी - डॉ. मधु खराटे, डॉ. हणुमंत पाटील
प्रा. राजेंद्र सोनवणे
विद्या प्रकाशन, **C-449** गुजैनी, कानपुर- **2**

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper	Name of the New Paper
1.	व्यावहारिक हिंदी	रोजगारपरक हिंदी

Nature of Question Paper

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन

प्रश्न 1) बहुविकल्पी आठ प्रश्न (पूरे पाठयक्रम पर) अंक 8

प्रश्न 2) लघुत्तरी प्रश्न (पूरे पाठयक्रम पर) अंक 12

(6 में से 4)

प्रश्न 3) दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठयक्रम पर) अंक 10

(अंतर्गत विकल्प के साथ)

प्रश्न 4) दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठयक्रम पर) अंक 10

कुल अंक 40

Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University,Solapur

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय,सोलापुर

Name of the Faculty : Humanities

मानव्यविद्या (मानविकी) शाखा

CBCS Syllabus

Name of the Course : B.A.-II Hindi Semester - III

बी. ए. भाग – दो-तृतीय सत्र

Paper No - III प्रश्नपत्र क्रमांक - 3

Title of the Paper - Aadhunik Hindi Gadya : khani Ev Vyavharik Hindi

प्रश्नपत्र का नाम - आधुनिक हिंदी गद्य : कहानी एवं व्यावहारिक हिंदी

With effect from - June 2020-21

जून 2020-21 से आरंभ

परिचय /Introduction

आधुनिक हिंदी कहानी साहित्य विषय वैविध्यता की दृष्टि से काफी समृद्ध रहा है। हर विभिन्न समस्याओं का सृजन करना कहानियों का मुख्य उद्देश्य है। ऐसी ही चर्चित कहानियों का अध्ययन किए बिना कहानी साहित्य का साहित्यिक मूल्यांकन करना उचित नहीं लगता है। इसमें कहानी सृजन के अनेक पहलुओं को उजागर करने का प्रयास किया है। कहानियों ने अपनी विकास यात्रा में नई-पुरानी पीढी का बनता-बिगडता रिश्ता और उदारता, बदलती बिरादरियाँ, ग्राम समाज की विविध मनोवृत्तियाँ, व्यापारी की दयनीय अवस्था, संघर्ष और अनाथ-गूंगे बहरे के बारे में राष्ट्र की पलायनवादी विविध प्रवृत्तियों का परिचय प्रस्तुत किया है।

पाठयक्रम के उद्देश्य / Course Objective

1) आधुनिक वैविध्यपूर्ण हिंदी कहानियों से छात्रों को अवगत कराना।
2) समकालिन परिवेश और जीवन यथार्थ से परिचित कराना।
3) आधुनिकता बोध और नये मूल्यों के प्रति देखने का नजरिया उन्नतपूर्ण कराना।
4) कहानी कला के प्रति अभिरूचि और समीक्षा-दृष्टि विकसित कराना।

CBCS Pattern B.A.-ll Paper No-lll - Semester-lll

(Credit Theory - 4 Practicals - 0)

Total Theory Lecture 60

समन्वयक - प्रो.डॉ.सौ.सुरैय्या शेख
अध्यक्ष-हिंदी अध्ययन मंडल,
पुअहो सोलापुर विश्वविद्यालय,सोलापुर

पाठयपुस्तकः-

कहानी यात्रा - संपादक डॉ. दिलीप कसबे
राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली

अध्ययनार्थ कहानियाँ- **Total No of Lectures - 60**

इकाई : l **Credit -1 Lectures 15**

1) बडे घर की बेटी - प्रेमचंद

2) बिरादरी बाहर - राजेंद्र यादव

इकाई : ll **Credit -1 Lectures 15**

3) पंचलाईट - फणीश्वरनाथ 'रेणु'

4) गूंगे - रांगेय राघव

इकाई : lll **Credit -1 Lectures 15**

5) एक रुकी हुई जिंदगी - कमलेश्वर

6) संघर्ष - सुशिला टाकभौरे

इकाई : IV **Credit -1 Lectures 15**

व्यावहारिक हिंदी :-

1) अनुवाद - अर्थ, परिभाषा, अनुवाद लेखन एवं महत्त्व
2) विज्ञापन- अर्थ, परिभाषा लेखन एवं महत्त्व
3) संवाद कौशल

List of Reference Books / संदर्भ ग्रंथ सूची –

1) हिंदी कहानी का विकास (भाग - 1 और 2) गोपाल राय, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
2) आधुनिक विज्ञापन और जनसंपर्क - डॉ.यू.सी.गुप्ता अर्जुन पब्लिशिंग हाऊस, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली - 110002
3) विज्ञापन - अशोक महाजन, हरियाना साहित्य अकादमी, पंचकूला
4) विज्ञापन - पत्रकारिता- एन. सी. पंत, इंद्रजीत सिंह, कनिष्ठ पब्लिशर्स, डिस्टीब्युटर्स, नई दिल्ली- 110002
5) हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास - बच्चन सिंह
6) अनुवाद चिंतन : समस्या और समाधान - डॉ. अर्जून चव्हाण
7) अनुवाद की भूमिका - डॉ. कृष्णकुमार गोस्वामी
8) अनुवाद विज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी
9) प्रयोजनमूलक हिंदी - डॉ. लक्ष्मीकांत पांडेय, डॉ. प्रमिला अवस्थी, आशीष प्रकाशन, कानपुर
10) हिंदी कहानी : स्वरूप और संवेदना - राजेंद्र यादव
11) हिंदी कहानी के सौ वर्ष - रामदरश मिश्र
12) परसाई रचनावली - सं. कमलाप्रसाद, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr.No.	Name of the old paper	Name of the new paper
1.	आधुनिक गद्य : कहानी एवं व्यावहारिक हिंदी	आधुनिक हिंदी गद्य : कहानी एवं व्यावहारिक हिंदी

Nature of Question Paper

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न 1) बहुविकल्पी आठ प्रश्न	(पूरे पाठयक्रम पर)	अंक 8
प्रश्न 2) लघुत्तरी प्रश्न	(व्यावहारिक हिंदी पर) (6 में से 4)	अंक 12
प्रश्न 3) ससंदर्भ स्पष्टीकरण	(कहानी पर) (3 में से 2)	अंक 10
प्रश्न 4) दीर्घोत्तरी प्रश्न	(कहानी पर)	अंक 10

कुल अंक 40

Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University,Solapur

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय,सोलापुर

Name of the Faculty : Humanities

मानव्यविद्या (मानविकी) शाखा

CBCS Syllabus

Name of the Course : B.A.-II Hindi Semester - IV

बी. ए. भाग – दो-चतुर्थ सत्र

Paper No - V प्रश्नपत्र क्रमांक - 5

Title of the Paper - Aadhunik Hindi Gadya : Ekanki Ev Vyavharik Hindi

प्रश्नपत्र का नाम - आधुनिक हिंदी गद्य : एकांकी एवं व्यावहारिक हिंदी

With effect from - June 2020-21

जून 2020-21 से आरंभ

प्रस्तावना :-

एकांकी एक विधा के रूप में मानवीय जीवन में अत्यानंद देती है। हिंदी एकांकी ने आधुनिक काल में विविध आयामों को उद्‌घाटित किया है। साथ ही उसके अनेक पहलुओं को उजागर करने का प्रयास किया है। एकांकी ने अपनी विकास यात्रा में प्रायश्चित्त, पुरानी और नई पीढी का संघर्ष, वेश्याओं की मुक्ति के प्रश्न, दहेज की ज्वलंत समस्या, विज्ञापन में होनेवाली छोटी सी भूल का नतीजा, डॉक्टरों से मुक्ति पाने के लिए मजबूर होना आदि सामाजिक समस्याओं को प्रस्तुत किया है।

पाठयक्रम के उद्‌देश्य :-

1) आधुनिक हिंदी एकांकी विधा को अवगत कराना।
2) समकालीन परिवेश और मानवीय समाज जीवन से परिचित कराना।
3) आधुनिकता बोध और नये मूल्यों के प्रति देखने का नजरिया विकसित कराना।
4) एकांकी कला के प्रति अभिरूचि और समीक्षा- दृष्टि विकसित कराना।

CBCS Pattern B.A.ll Paper No-V - Semester-lV

(Credit Theory - 4 Practicals - 0)

Total Theory Lecture 60

समन्वयक - प्रो.डॉ.सौ.सुरैय्या शेख
अध्यक्ष-हिंदी अध्ययन मंडल,
पुअहो सोलापुर विश्वविद्यालय,सोलापुर

पाठयपुस्तकः-

एकांकी प्रतिभा - संपादक डॉ. दिलीप कसबे
राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली

अध्ययनार्थ एकांकीकाएँ- **Total No of Lectures - 60**

इकाई : l **Credit -1 Lectures 15**

1) प्रतिशोध - डॉ. रामकुमार वर्मा

2) पिकनिक - विष्णु प्रभाकर

इकाई : ll **Credit -1 Lectures 15**

3) गली की शांति - लक्ष्मीनारायण लाल

4) बहू की विदा - विनोद रस्तोगी

इकाई : lll **Credit -1 Lectures 15**

5) अखबारी विज्ञापन - चिरंजीत

6) बचाओ, मुझे डॉक्टरों से बचाओ - डॉ. शंकर पुणतांबेकर

इकाई : lV **Credit -1 Lectures 15**

व्यावहारिक हिंदी

1) अनेकार्थक शब्द - 25 (परिशिष्ट -1)

2) लोकोक्तियाँ और उनके अर्थ - 25 (परिशिष्ट -2)

3) वाक्यांश के लिए एक शब्द - 25 (परिशिष्ट -3)

परिशिष्ट -1

अनेकार्थक शब्द :-

1) अंजाम - फल , नतीजा , समाप्ति , पूर्ति
2) अंत - समाप्ति , नाश , मृत्यु , परिणाम , सीमा
3) अंध - अंधा , विचारहीन , अचेत , अज्ञान , नेत्रहीन व्यक्ति
4) अंबर - आकाश , वस्त्र ,परिधि , एक सुगंधी खनिज
5) अंभोज - कमल , कपूर , चंद्रमा , शंख
6) अधिकार - प्रभुत्व , हक , स्थान,कब्जा , हुकूमत , विषय
7) अपकार - उपकार का उल्टा , बुराई , अहित , अपमान , अत्याचार
8) अभिरूचि - शौक , झुकाव , विशेष , अभिलाषा
9) अलोक - अदृश्य , निर्जन , पुण्यहीन , पातालादि लोक
10) अवनति - झुकाव , गिरावट , उतार , कमी , दंडवत , विनम्रता
11) उदात्त - ऊँचा , महान , उदार ,श्रेष्ठ , स्पष्ट
12) उपराग - रंग , लाल रंग , लाली , दुर्व्यवहार , निंदा
13) कन - कण , प्रसाद , भीख , कान
14) काम - कार्य , मतलब ,संबंध , स्वार्थ , नौकरी
15) कुल - परिवार , वंश , समूह , घर , जाति
16) खराब - बुरा , हीन , नष्ट , बरबाद , दुश्चरित्र , बिगडा हुआ
17) गजब - अंधेरा , क्रोध , कोप , विपत्ति , संकट
18) गुण - निजी , विशेषता , निपुणता , हुनर , प्राकृतिक वृत्तियाँ , लक्षण
19) गुरू - पूज्य , वजनदार , भारी , बडा , कठिन , दीर्घ मात्रा
20) गो - गाय , इंद्रिय , वाणी , दृष्टि , दिशा , माता
21) गौरव - बडप्पन , महत्त्व , गुरुता , आदर , सम्मान , मर्यादा, प्रतिष्ठा
22) चरण - पाँव , सामीप्य , श्लोक का चतुर्थांश , काल, मान आदि का चौथाई भाग
23) चरित्र - आचरण , चाल-चलन , कार्यकलाप , स्वभाव , गुणधर्म , जीवन चरित्र , जीवनी
24) जाति - वंश , कुल , जन्म, उत्पत्ति , वर्ण , वर्ग , जात
25) जिगर- कलेजा ,साहस, हिम्मत ,चित्त, मन

परिशिष्ट - 2

लोकोक्तियाँ और उनके अर्थ :-

1) अधजल गगरी छलकत जाए -	ओछा व्यक्ति अधिक प्रदर्शन करता है।
2) अकल बडी की भैंस -	बुध्दि शारीरिक शक्ति से अच्छी होती है।
3) आम के आम गुठलियों के दाम -	दोनों ओर से लाभ मिलना।
4) आधा तीतर आधा बटेर -	पूर्णता नहीं होना, अनमेल रूप या कार्य।
5) उलटा चोर कोतवाल को डाँटे -	अपराध भी करें और अकड भी दिखाये।
6) ऊँट के मुँह में जीरा -	अधिक स्थान पर बहुत कम का प्रयोग।
7) एक अनार सौ बीमार -	वस्तु कम और चाहने वाले अधिक।
8) एक हाथ से ताली नहीं बजती -	झगडा एक व्यक्ति से नहीं होता।
9) एक तो करेला फिर निम चढा -	दुष्ट व्यक्ति के कुसंग में और पड जाना।
10) एक म्यान में दो तलवार -	समान वर्चस्व के व्यक्ति एक साथ नहीं रह सकते।
11) एक और एक ग्यारह होते हैं -	एकता में शक्ति होती है।
12) अंधा पीसे कुत्ता खाये-	मूर्ख की कमाई दूसरे खाते हैं।
13) कहाँ राजा भोज, कहाँ गंगू तेली -	अत्यधिक अंतर होना।
14) कुछ दाल में काला है -	संदेहास्पद स्थिति में होना।
15) खोदा पहाड निकली चुहियाँ -	अधिक परिश्रम से थोडा फल मिलना।
16) घर की मुर्गी दाल बराबर -	अपनी वस्तु का सम्मान नहीं होता।
17) चोरी और सीनाजोरी -	अपराध करना और अकडना।
18) छोटे मुँह बडी बात -	अपनी हैसियत से बढकर बातें करना।
19) जिसकी लाठी उसकी भैंस -	जिसमें बल होता है वह राजा होता है।
20) जैसा देश वैसा भेस -	देशानुसार कार्य करना चाहिए।
21) थोथा चना बाजे घना -	मूर्ख व्यक्ति अधिक बोलता है।
22) दीवार के भी कान होते हैं -	गुप्त परामर्श में भी सावधान रहना चाहिए।
23) पाँचो अंगुलियाँ घी में है -	लाभ ही लाभ।
24) बडे बोल का सीर नीचा -	अभिमान का पतन होता है।
25) मुल्ला की दौड मस्जिद तक -	अधिक उद्योग न करना।

परिशिष्ट - 3

वाक्यांश के लिए एक शब्द :-

1) जिसका कोई नाथ न हो - अनाथ
2) जिसका निवारण न किया जा सके - अनिवार्य
3) आदि से अन्त तक - आदयोपान्त
4) जिसकी गणना न की जा सके - अगणित
5) जिस पर किसीने अधिकार प्राप्त कर लिया हो - अधिकृत
6) किसी देश के प्राचीन मूल निवासी - आदिवासी
7) जो काम से जी चुराता हो - कामचोर
8) जो किये गये उपकार को न माने - कृतघ्न
9) जो कार्य करने योग्य हो - करणीय
10) जो कला की रचना करता है - कलाकार
11) जो जानने की इच्छा रखता है - जिज्ञासु
12) जो किसी गुट का सदस्य न हो - तटस्थ
13) जो तत्त्व को जानता हो - तत्त्वज्ञानी
14) जिसका दमन करना कठिन हो - दुर्दम
15) जिसके कोई संतान न हो - निस्संतान
16) अक्षर पढने लिखने के ज्ञान से रहित - निरक्षर
17) जो देश-विदेश का भ्रमण करता हो - पर्यटक
18) जिसे पति ने छोड दिया हो - परित्यक्ता
19) कम बोलनेवाला - मितभाषी
20) जमीन का हिसाब-किताब रखनेवाला - लेखपाल
21) जो किसी विषय का जानकार हो - विशेषज्ञ
22) जो अधिक बोलता हो - वाचाल
23) जो सुनने योग्य हो - श्रव्य
24) शत्रुओं को मारनेवाला - शत्रुघ्न
25) जिसने पुण्य कार्य हेतु प्राण दिए हो - हुतात्मा

List of Reference Books / संदर्भ ग्रंथ सूची –

1) रामकुमार वर्मा के एकांकी नाटक - डॉ. सर्जेराव जाधव - विनय प्रकाशन, कानपुर

2) हिंदी एकांकी - सिद्धार्थ कुमार - राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

4) हिंदी नाटक कोश - डॉ. दशरथ ओझा - नेशनल, दिल्ली

5) नाटककार जयशंकर प्रसाद - सत्येंद्र तनेजा - राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

6) हिंदी के प्रतिनिधि एकांकीकार - द्वारिका प्रसाद सक्सेना - विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा

7) हिंदी के ऐतिहासिक एकांकी : एक अनुशीलन - डॉ. अमरजा रेखी - अन्नपूर्णा प्रकाशन, कानपुर

8) एकांकी उद्भव और विकास- सं. विरेंद्रकुमार मिश्र - कोणार्क प्रकाशन, दिल्ली

9) हिंदी एकांकी की शिल्प विधि का विकास - सिद्धार्थ कुमार, इंद्रपस्थ प्रकाशन, दिल्ली

10) हिंदी एकांकी और एकांकीकार- डॉ. रमा सूद - अन्नपूर्णा प्रकाशन, कानपुर

11) हिंदी एकांकी उद्भव और विकास - डॉ. रामचरण महेंद्र- साहित्य प्रकाशन, दिल्ली

12) नाट्यचिंतन- नया संदर्भ - डॉ. चंद्र

13) शुध्द हिन्दी- डॉ. जगदीश प्रसाद कौशिक- प्रकाशक : साहित्यागार, जयपुर- 3

Equivalent Subject for old syllabus

Sr.No	Name of the Old paper	Name of the New Paper
1.	आधुनिक गद्य : उपन्यास एवं व्यावहारिक हिंदी	आधुनिक हिंदी गद्य : एकांकी एवं व्यावहारिक हिंदी

Nature of Question Paper

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न 1) बहुविकल्पी आठ प्रश्न	(पूरे पाठयक्रम पर)	अंक 8
प्रश्न 2) लघुत्तरी प्रश्न	(व्यावहारिक हिंदी पर) (6 में से 4)	अंक 12
प्रश्न 3) ससंदर्भ स्पष्टीकरण	(एकांकी पर) (3 में से 2)	अंक 10
प्रश्न 4) दीर्घोत्तरी प्रश्न	(एकांकी पर)	अंक 10

कुल अंक 40

Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University,Solapur

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय,सोलापुर

Name of the Faculty : Humanities

मानव्यविद्या (मानविकी) शाखा

CBCS Syllabus

Name of the Course : B.A.-II Hindi Semester - III

बी. ए. भाग – दो-तृतीय सत्र

Paper No - IV प्रश्नपत्र क्रमांक - 4

Title of the Paper – Madhyayugin Hindi Kavy,Vyakaran avn Lekhan

प्रश्नपत्र का नाम - मध्ययुगीन हिंदी काव्य, व्याकरण एवं लेखन

With effect from - June 2020-21

जून 2020-21 से आरंभ

परिचय / introduction

हिंदी का मध्ययुगीन काव्य विशिष्ट पृष्ठभूमि को दर्शाता है । इसके अध्ययन के बिना किसी भी काल का वास्तविक मूल्यांकन असंभव है। भक्ति कालीन काव्य लोक-जागरण तथा मंगलता का स्वर लेकर उगा है। इस काल की कविता एवं कवियों ने भारतवर्ष की भावनात्मकता, आध्यात्मिकता, तथा सांस्कृतिक परंपराओं को अबाधित रखा है। रीतिकालीन कविता प्रेम श्रृंगार के साथ-साथ वीरता से भरी है। जिसमें एक कलात्मक अभिव्यंजना उभरकर आती है। इनका अध्ययन समाज तथा संस्कृति को सुरक्षित रखने के लिए आवश्यक है। इन्हें समझने के लिए इन कविताओं का अध्ययन अनिवार्य है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य / Course objective

1) **भक्तिकाल तथा रीतिकाल की सामाजिक, धार्मिक तथा सांस्कृतिक परिस्थिति एवं परिवेश से अवगत कराना।**
2) **भक्तिकालीन काव्य में निर्गुण और सगुण भक्ति धारा के माध्यम से प्राचीन तथा मध्य युगीन संस्कृति का अध्ययन कराना।**
3) **भक्तिकालीन तथा रीतिकालीन कविता के माध्यम से श्रृंगार एवं वीर रस की स्थापना का महत्व विशद कराना।**
4) **रीतिकालीन काव्य के माध्यम से प्रेम भावना का दर्शन कराना।**
5) **सामाजिक, राजनीतिक,सांस्कृतिक पृष्ठभूमि में कविता के अध्ययन विश्लेषण की जानकारी देना ।**
6) **रीतिकालीन काव्य के माध्यम से प्रेम भावना का दर्शन कराना।**

CBCS Pattern B.A.II Paper No - IV Semester- III

(Credit Theory- 4 Practicals- 0)

Total Theory Lecture 60

समन्वयक - प्रो.डॉ.सौ.सुरैय्या शेख
अध्यक्ष-हिंदी अध्ययन मंडल,
पुअहो सोलापुर विश्वविद्यालय,सोलापुर

पाठ्यपुस्तक:-

मध्ययुगीन हिंदी काव्य : संपादक डॉ.दादासाहेब खांडेकर, डॉ.राजेंद्र खैरनार
दिव्य डिस्ट्रीब्यूटर्स, कानपुर

अध्ययनार्थ कविताएँ — Total No of lectures 60

इकाई : I — Credit-1 Lectures-15

1) कबीर (दोहे क्र. 1,3,8,9,10,11,13,14,15,16)
2) जायसी (पद क्र. 2,3,6,7,8)

इकाई : II — Credit-1 Lectures-15

3) सूरदास (पद क्र. 1,2,3,4,5)
4) मीराबाई (पद क्र. 1,2,3,5,7)

इकाई : III — Credit-1 Lectures-15

5) रहीम (दोहे क्र. 2,3,4,6,8,10,11,13,14,17)
6) बिहारी (दोहे क्र. 2,4,5,7,8,10,11,14,17,18)

इकाई : IV — Credit-1 Lectures-15

व्याकरण एवं लेखन

1) उपसर्ग (सोदाहरण सामान्य परिचय)
2) प्रत्यय (सोदाहरण सामान्य परिचय)
3) वाक्य भेद (अर्थ के आधार पर)

List of Refrence Books / संदर्भ ग्रंथ सूची

1) आचार्य रामचंद्र शुक्ल – जायसी ग्रंथावली,राजकमल प्रकाशन,दिल्ली

2) डॉ. भगवानदास तिवारी – संक्षिप्त भूषण, राजकमल प्रकाशन,दिल्ली

3) डॉ.हजारी प्रसाद द्विवेदी – कबीर,राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

4) रामधारी सिंह दिनकर – काव्य की भूमिका,राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली

5) मैनेजर पांडे – भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य राजकमल प्रकाशन,दिल्ली

6) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र – भूषण, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

7) डॉ. सरला शुक्ला – हिंदी सूफी कवि और काव्य

8) राजमल बोरा – भूषण और उनका साहित्य

9) डॉ सुरेश चंद्र – भक्ति आंदोलन और मध्यकालीन हिंदी काव्य

10) डॉ. रामकली सराफ – मध्ययुगीन काव्य प्रतिभाएँ

11) माधुरी पाटील – रामचरितमानस के चार संभाषण

12) आबिद रिजवी – रहीम के दोहे,मनोज प्रकाशन,दिल्ली

13) डॉ.के.पी.शहा – ॐ पब्लिकेशन,शाहुपुरी,कोल्हापुर

14) राजशेखर प्रसाद चतुर्वेदी– एम्,आय, पब्लिकेशन,आगरा

15) प्रा.वसंत खोत – सुबोध हिंदी व्याकरण,फडके प्रकाशन,कोल्हापुर

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper	Name of the New Paper
1.	हिंदी काव्य,व्याकरण एवं लेखन	मध्ययुगीन हिंदी काव्य,व्याकरण एवं लेखन

Nature of question Paper

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन

प्रश्न 1) बहुविकल्पी आठ प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) अंक 8

प्रश्न 2) लघुत्तरी प्रश्न (व्याकरण एवं लेखन पर) अंक 12

(6 में से 4)

प्रश्न 3) ससंदर्भ स्पष्टीकरण (मध्ययुगीन हिंदी काव्य पर) अंक 10

(3 में से 2)

प्रश्न 4) दीर्घोत्तरी प्रश्न (मध्ययुगीन हिंदी काव्य पर) अंक 10

कुल अंक 40

Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University,Solapur

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय,सोलापुर

Name of the Faculty : Humanities

मानव्यविद्या (मानविकी) शाखा

CBCS Syllabus

Name of the Course : B.A.-II Hindi Semester - IV

बी. ए. भाग – दो-चतुर्थ सत्र

Paper No - Vl प्रश्नपत्र क्रमांक - 6

Title of the Paper - Aadhunik Hindi Kavy,Vyakaran avn Lekhan

प्रश्नपत्र का नाम - आधुनिक हिंदी काव्य, व्याकरण एवं लेखन

With effect from - June 2020-21

जून 2020-21 से आरंभ

परिचय / introduction

आधुनिक हिंदी काव्य नवीन भावभुमि और गतिशीलता को लेकर अवतरित हुआ। आधुनिकता, विश्वसनीयता एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण इसकी प्रमुख विशेषताएं हैं। उन्नीसवीं सदी के उत्तरार्ध से आद्यंत तक की संवेदनाएँ, भावनाएँ एवं उत्तम विचार सरणियाँ इसमें अभिव्यक्त हुई है। मनुष्य इसमें अभिव्यंजित हुआ है। अतः धाराओं में प्रमाण आधुनिक हिंदी काव्य प्रेरणा और ऊर्जा का अजस्र स्रोत है। संवेदना तथा ज्ञान क्षितिज के विस्तार के लिए इसका अध्ययन अत्यंत आवश्यक एवं प्रासंगिक है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य / Course objectives

1) **हिंदी साहित्य के आधुनिक काल की पृष्ठभूमि को सम्मुख रखना।**
2) **स्वतंत्रता के पश्चात की सामाजिक एवं आर्थिक परिस्थिति के साथ-साथ मानवीय प्रवृत्तियों को दर्शाना।**
3) **छायावाद तथा प्रगतिवाद के माध्यम से प्रकृति, मानवीय पीड़ा, संवेदना को सम्मुख रखना।**
4) **संवैधानिक मूल्यों से छात्रों को परिचित कराना।**

CBCS Pattern B.A.II Paper No-VI Semester- IV

(Credit Theory - 4 Practicals- 0)

Total Theory Lecture 60

समन्वयक - प्रो.डॉ.सौ.सुरैय्या शेख
अध्यक्ष-हिंदी अध्ययन मंडल,
पुअहो सोलापुर विश्वविद्यालय,सोलापुर

पाठ्यपुस्तक:-

काव्यालोक - संपादक डॉ.अनिल सालुंखे, डॉ.गिरीश काशिद
दिव्य डिस्ट्रीब्यूटर्स,कानपुर

अध्ययनार्थ कविताएँ- Total No of lectures- 60

इकाई : I Credit-1 Lectures-15

1) मैथिली शरण गुप्त - शिक्षा की अवस्था
2) सूर्यकांत त्रिपाठी निराला - भिक्षुक
3) महादेवी वर्मा - जाग तुझको दूर जाना है
4) हरिवंश राय बच्चन - नीड़ का निर्माण

इकाई : II Credit-1 Lectures-15

5) सच्चिदानंद हीरानंद अज्ञेय - ताजमहल की छाया में
6) दुष्यंत कुमार - तुम्हारे पांव के नीचे कोई जमीन नहीं
7) केदारनाथ सिंह - विद्रोह
8) धूमिल - रोटी और संसद

इकाई : III Credit-1 Lectures-15

9) चंद्रकांत देवताले - माँ पर लिख नहीं सकता कविता
10) अनामिका - कूड़ा बीनते बच्चे
11) निर्मला पुतुल - आदिवासी लड़कियों के बारे में
12) कवँल भारती - मलाला तुम मर नहीं सकती

इकाई : IV Credit-1 Lectures-15

व्याकरण एवं लेखन

1) विराम चिह्न का प्रयोग
2) व्यवहारिक अनुवाद
3) हिंदी वेबसाइट

List of Refrence Books / संदर्भ ग्रंथ सूची

1) डॉ नामवर सिंह - कविता के नए प्रतिमान, राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली

2) भारत भूषण अग्रवाल - हिंदी कविता का वैचारिक परिप्रेक्ष्य,विश्वविद्यालय, प्रकाशन, वाराणसी

3) डॉ रामदरश मिश्र - हिंदी कविता आधुनिक आयाम,वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली

4) नंदकिशोर नवल - समकालीन काव्य यात्रा, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली

5) विश्वनाथ प्रसाद तिवारी - समकालीन हिंदी कविता,राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली

6) नंददुलारे वाजपेयी - नई कविता, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली

7) डॉ.रामानंद श्रीवास्तव - नई कविता के परिप्रेक्ष्य में, नीलाभ प्रकाशन, इलाहाबाद

8) मुक्तिबोध की कविता - डॉ.पद्मा पाटील, कोल्हापुर

9) सुमित्रानंदन पंत - डॉ नगेंद्र,राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

10) डॉ.वसंत मोरे - हिंदी और उसका व्यवहार,फडके प्रकाशन,कोल्हापुर

11) प्रो.महादेव बासुतकर - हिंदी तथा मराठी की संरचना व्यवस्था,मिलिंद प्रकाशन,हैदराबाद

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper	Name of the New Paper
1.	हिंदी काव्य,व्याकरण एवं लेखन	आधुनिक हिंदी काव्य,व्याकरण एवं लेखन

Nature of question Paper

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन

प्रश्न 1)	बहुविकल्पी आठ प्रश्न	(पूरे पाठ्यक्रम पर)	अंक 8
प्रश्न 2)	लघुत्तरी प्रश्न	(व्याकरण एवं लेखन पर)	अंक 12
		(6 में से 4)	
प्रश्न 3)	ससंदर्भ स्पष्टीकरण	(काव्यालोक पर)	अंक 10
		(3 में से 2)	
प्रश्न 4)	दीर्घोत्तरी प्रश्न	(काव्यालोक पर)	अंक 10

			कुल अंक 40